सं॰ ग्रो.वि./सोनीपत/67-85/48155. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. ग्रोम विविंग फैक्ट्री, 41/4, बहालगढ़ रोड, सोनीपत, के श्रीमक श्री नागेन्द्र तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई प्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिण्य हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, स्रव, सौद्योगिक विवाद स्रिधितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यमान इसके द्वारा सरकारों स्रिधित्वना सं० 9641-1-1-अन-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारों स्रिधिति यम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन्णिय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री नागेन्द्र की सेवाग्रों का समापन न्यायीचित तथा ठोक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? सं अपो वि श्रीनीपत | 67-85 | 48162.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं अपोम विविंग फैन्ट्री, 41/4, बहालगढ़ रोड़, सोनीपत, के श्रीमक श्री बृज भान तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-1-अम/78/32573, दिनांक 6 नवम्बर 1970 के साथ पठित सरकारी अधिनियम की धार के अधीन गठित अम न्यायालय, रोहतक को विवाद प्रस्त या उससे सुसंगतं या उससे, सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:--

क्या श्री बृज भान की सेवाश्रों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

सं० ग्रो०वि० |पानी | 47-84 | 48390 .-- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० कार्यकारी ग्रिभियन्ता, एस.ग्राई. कन्सट्रेक्शन डिविजन, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, करनाल (2) सचिव, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड, चण्डीगढ़, के श्रीमिक श्री किताब सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 3(44)—84—3—श्रम, दिनांक 18 अप्रैल, 1984 द्वारा उस्ते | प्रवितियन की धारा 7 के अयोग गठित श्रम न्यायालय, प्रवारा को विवाद प्रस्त वा उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचार तीन मान में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या उससे सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री किताब सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है? सं श्रो.वि./एफ.डी./212-85/48397.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. डी.पी. ग्राटो इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 228, सैनटर-24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री पारस नाथ गुप्ता तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई औद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, सर्व, सौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये प्रधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवेरी, 1958, द्वारा उक्त प्रधिनियम की द्वारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त तथा उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रम्बा संबंधित मामला है :—

वया श्री पारस नाथ गुप्ता की सेवाधों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?